भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

**लोक सभा**

लिखित प्रश्न सं. †1399

सोमवार, 9 फरवरी, 2026/20 माघ, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

**उत्तर प्रदेश में रामायण और बौद्ध सर्किट**

**†1399. श्री जगदम्बिका पाल:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में रामायण सर्किट और बौद्ध सर्किट के विकास की वर्तमान स्थिति क्या है, जिसमें राज्य के अंतर्गत आने वाले प्रमुख स्थलों का ब्यौरा भी शामिल है;

(ख) क्या सरकार के पास बौद्ध सर्किट के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण गंतव्य के रूप में सिद्धार्थनगर को विकसित करने की कोई व्यापक योजना है; और

(ग) पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान उत्तर प्रदेश में रामायण और बौद्ध सर्किट के अंतर्गत पर्यटन बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और आगंतुक सुविधाओं में सुधार के लिए आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ग): गंतव्य नियोजन सहित पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2014-15 में देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास संबंधी प्रयासों को संपूरित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन नामक (एसडीएस) अपनी योजना शुरू की और रामायण परिपथ तथा बौद्ध परिपथ सहित चिह्नित विषयगत परिपथों के तहत 5290.33 करोड़ रुपये की 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी। उत्तर प्रदेश राज्य में रामायण और बौद्ध परिपथ में स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाएं भौतिक रूप से पूरी हो चुकी हैं। स्वदेश दर्शन योजना में रामायण और बौद्ध परिपथ सहित विभिन्न विषयगत परिपथ के तहत उत्तर प्रदेश राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

भारत सरकार ने 'राज्यों को पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' नामक अपनी पहल के तहत भी देश में प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों को व्यापक रूप से विकसित करने और वैश्विक स्तर पर उनकी ब्रांडिंग तथा विपणन करने के प्राथमिक उद्देश्य से परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत, वर्ष 2024-25 में, 80.24 करोड़ रुपये की राशि की 'श्रावस्ती में एकीकृत बौद्ध पर्यटन विकास' नामक परियोजना को मंजूरी दी गई है।

*****

**अनुबंध**

श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उत्तर प्रदेश में रामायण और बौद्ध सर्किट के संबंध में दिनांक 09.02.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †1399 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

**उत्तर प्रदेश राज्य में स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:**

| **क्र. सं.** | **राज्य/संघ राज्यक्षेत्र** | **परिपथ/ स्वीकृति वर्ष** | **परियोजना का नाम** | **स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)** | **जारी/ प्राधिकृत राशि (करोड़ रु. में)** | **उपयोग की गई राशि (करोड़ रु. में)** |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | उत्तर प्रदेश | बौद्ध परिपथ 2016-17 | श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास | 87.89 | 72.56 | 68.43 |
| 2. | उत्तर प्रदेश | रामायण परिपथ 2016-17 | चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास | 69.45 | 64.09 | 56.03 |
| 3. | उत्तर प्रदेश | आध्यात्मिक परिपथ 2016-17 | आहर - अलीगढ़ - कासगंज - सरोसी (उन्नाव)-प्रतापगढ़-कौशांबी-मिर्जापुर - गोरखपुर - डुमरियागंज - बस्ती - बाराबंकी - आजमगढ़ - कैराना - बागपत - शाहजहांपुर का विकास | 71.91 | 69.63 | 69.63 |
| 4. | उत्तर प्रदेश | आध्यात्मिक परिपथ 2016-17 | बिजनौर - मेरठ - कानपुर - कानपुर देहात - बांदा - गाजीपुर - सलेमपुर - घोसी - बलिया - अम्बेडकर नगर - अलीगढ़ - फतेहपुर - देवरिया - महोबा - सोनभद्र - चंदौली - मिश्रिख - भदोही का विकास | 67.51 | 64.14 | 63.62 |
| 5. | उत्तर प्रदेश | विरासत परिपथ 2016-17 | कालिंजर किला (बांदा) - मगहरधाम (संतकबीर नगर) - चौरीचौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) - महुअर | 36.65 | 36.65 | 36.65 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | शहीद स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) का विकास | | | |
| 6. | उत्तर प्रदेश | रामायण परिपथ 2017-18 | अयोध्या का विकास | 127.21 | 115.46 | 113.22 |
| 7. | उत्तर प्रदेश | आध्यात्मिक परिपथ 2018-19 | जेवर - दादरी - सिकंदराबाद - नोएडा - खुर्जा - बांदा का विकास | 12.03 | 11.43 | 11.43 |
| 8. | उत्तर प्रदेश | आध्यात्मिक परिपथ 2018-19 | गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपट्टन मंदिर (बलरामपुर) और वटवाशनी मंदिर (डुमरियागंज) का विकास | 18.30 | 18.12 | 18.12 |

*****